PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD

वर्ष : 02
अंक : 174
दि. 23.10.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से मिले पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। बैठक से पहले दोनों ने एक दूसरे का गर्मजोशी से एक दूसरे का अभिवादन किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती तकनीक पर चर्चा होगी। दोनों नेता आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत-पोलैंड संबंधों को और मजबूत करने और नए अवसरों की तलाश करने पर चर्चा होगी।

इससे पहले, टस्क ने नई दिल्ली के राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी प्रधानमंत्री टस्क से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से मिलकर खुशी हुई। भारत-पोलैंड के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने पर उनके विचारों की सराहना करता हूँ। हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात का इंतजार है।

टस्क बुधवार शाम को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। इस दौरे का उद्देश्य रक्षा, व्यापार और रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है।

हवाई अड्डे पर पहुंचने पर, प्रधानमंत्री टस्क का खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में लिखा, नई दिल्ली पहुंचने पर पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क का हार्दिक स्वागत है। हवाई अड्डे पर राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने उनका

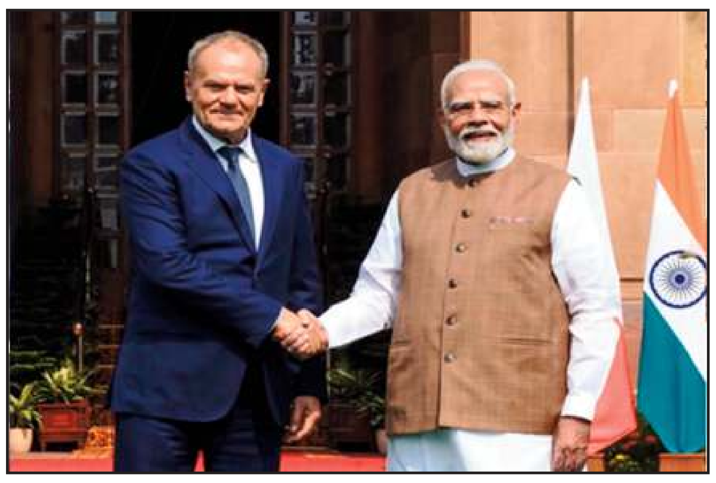

स्वागत किया। यह दौरा भारत-पोलैंड रणनीतिक साझेदारी को नई गति देगा और हमारे पुराने संबंधों को और गहरा करेगा।

टस्क के साथ पोलैंड के वित्त और अर्थव्यवस्था मंत्री आंद्रेज डोमांस्की और एक उच्च-स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी आया है। एमईए के अनुसार, पोलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में पीएम टस्क की यह भारत की दूसरी यात्रा है; इससे पहले वे 2010 में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भारत आए थे।

दिल्ली में अपने कार्यक्रम पूरे करने के बाद, पीएम टस्क बेंगलुरु जाएंगे। वहां वे सूचना प्रौद्योगिकी (आईटटी) और अंतरिक्ष क्षेत्र सहित विभिन्न व्यावसायिक हितधारकों के साथ बातचीत करेंगे। 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में और 23 अक्टूबर को बेंगलुरु में भारत-पोलैंड बिजनेस फोरम का आयोजन किया जाएगा।

भारतीय रेलवे ने अक्टूबर 2026 (18 तारीख तक) में कोयला लदान का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया

नईदिल्ली, भारतीय रेलवे ने कोयला लदान में अब तक का रिकॉर्ड बनाया है। अक्टूबर 2026 में (18 अक्टूबर तक), पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कोयला लदान में 22.5त्न की वृद्धि दर्ज की गई।

इस दौरान, अक्टूबर 2025 की

तुलना में प्रतिदिन 87 अतिरिक्त कोयला रैक भेजे गए। यह देश भर के थर्मल पावर प्लांटों में कोयले की निरंतर और भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को दशार्ता है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (॥1) के दौरान, भारतीय रेलवे ने थर्मल पावर प्लांटों के लिए प्रतिदिन औसतन 430 कोयला रैक भेजे, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.1त्न अधिक है।

इंस्टाग्राम पर सोनिया गांधी का डेब्यू, अपनी किताब बिलॉन्गिंग की दिखाई झलक

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर डेब्यू किया और अपनी आने वाली किताब बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव का पहला लुक शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को जारी होने वाली है।

सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, हेलो एवरीवन, मैं आप सभी के साथ यह पल साझा करते हुए वास्तव में आभारी हूं, बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव की पहली झलक। यह प्यार, कर्तव्य, नुकसान और अपनेपन की जगह खोजने की कहानी है। मैं इसे आप सभी के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं।

सोनिया गांधी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में दिख रहा है कि जब प्रकाशक किताब की हार्डबाउंड कॉपियां लेकर पहुंचे, तो सोनिया गांधी ने कहा, आप बहुत भारी वजन उठा रही हैं। इसके बाद उन्हें किताब की पहली कॉपी और मिठाई का डिब्बा दिया गया। वीडियो में सोनिया गांधी मुस्कुराते हुए किताब के साथ पोज देती नजर आईं जबकि आसपास

मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उन्हें बधाई दी।

किताब को पलटते हुए और सोनिया गांधी ने कहा, बहुत सारी तस्वीरें हैं, प्रियंका। इसके बाद उन्होंने किताब अपनी बेटी को दिखाई। एक अन्य फ्रेम में प्रियंका गांधी अपनी मां को मिठाई खिलाती हुई नजर आईं और दोनों गले मिलते हुए दिखाई दीं।

खास बात यह है कि सोनिया गांधी ने इस पोस्ट में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स इंडिया के साथ कोलैब किया है। इस खबर को लिखे जाने तक वीडियो की रीच 10 लाख से अधिक तक पहुंच गई है।

बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव सोनिया गांधी की निजी जिंदगी पर आधारित है, जिसमें उन्होंने प्यार, कर्तव्य, नुकसान और अपनेपन की तलाश की कहानी को साझा किया है। यह पहली बार है जब सोनिया गांधी ने अपनी जिंदगी के इतने निजी पहलुओं को किताब के जरिए लोगों के सामने रखने का फैसला किया है।

इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनाते ही सोनिया गांधी चर्चा में आ गई हैं। उनके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने माता हासी देवी के सम्मान में जारी किया 200 रुपये का स्मारक सिक्का

(जीएनएस)।

रायपुर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को रायपुर स्थित लोकभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में पूज्य माता साहिब हासी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पूज्य शदाणी दरबार रायपुर की पांचवीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की ओर से यह विशेष सिक्का जारी किया गया। सिंधी समाज की आध्यात्मिक विभूति के सम्मान में सिक्का जारी किया जाना समाज के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। इससे देश और विदेश में रहने वाले करोड़ों सिंधी समाज के लोगों में गौरव की भावना जुड़ी है।

सिक्के पर माता हासी देवी जी की छवि अंकित की गई है। इसके एक ओर अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष और 200 रुपये का मूल्यवर्ग दशार्या गया है। इस पहल का उद्देश्य माता हासी देवी जी के जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

स्मारक सिक्के के अनावरण के बाद श्रद्धालु और सिक्का संग्रह करने वाले लोग शदाणी दरबार की विभिन्न इकाइयों के माध्यम से इसकी बुकिंग कर सकेंगे।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन पूज्य शदाणी दरबार रायपुर के पीठाधीश संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने दिया। समारोह में राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी और मोतीलाल साहू, मुख्य सचिव विकासशील, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम तथा राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा पूज्य शदाणी दरबार के सदस्य, देश के विभिन्न हिस्सों से आए जनप्रतिनिधि और सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

रेहान वाड्रा की प्रदर्शनी विवाद : युवाओं की आवाज दबाना चाहता है संघ - पवन खेड़ा

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा की कला प्रदर्शनी से 70 तस्वीरें हटाए जाने, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की महिलाओं को लेकर सोच समेत कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और संघ पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने एसबीआई से ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनी से रेहान वाड्रा की 70 तस्वीरें हटाए जाने के मामले पर पवन खेड़ा ने कहा कि मौजूदा सरकार को युवाओं, उनके मुद्दों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से परेशानी है। युवा सड़क पर उतरकर अपनी बात रखें, कविता लिखें, साहित्य के माध्यम से विचार व्यक्त करें या कला के जरिए अपनी भावनाएं सामने लाएं, हर स्थिति में उन्हें रोकने की कोशिश की जाती है। खेड़ा ने कहा कि उन्होंने खुद प्रदर्शनी में लगाए गए चित्र देखे हैं और उनमें किसी राजनीतिक दल या पार्टी से जुड़ी कोई विशेष बात नहीं थी। इन चित्रों में युवाओं की अभिव्यक्ति को दशार्या गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। इस मुद्दे को संघ और युवाओं के बीच वैचारिक टकराव बताते हुए उन्होंने संघ की तुलना अंग्रेजी हुकूमत की मानसिकता से की।

आरएसएस नेता रामलाल के उस बयान पर, जिसमें राहुल गांधी के संघ में महिलाओं के सम्मान को लेकर दिए गए बयान को गलत बताया गया था, पवन खेड़ा ने कहा कि रामलाल को मोहन भागवत के महिलाओं से संबंधित पुराने

बयानों को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ प्रमुख मोहन भागवत पहले महिलाओं के चारदीवारी के भीतर रहने और हिंदू महिलाओं के चार बच्चे पैदा करने जैसे विचार व्यक्त कर चुके हैं। यदि रामलाल का संपर्क नंबर उपलब्ध कराया जाए, तो वह उन्हें संबंधित वीडियो भेज सकते हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सच कौन बोल रहा है। संघ की मानसिकता महिलाओं को घर तक सीमित रखने की है और राहुल गांधी ने इसी सोच पर सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी के वियतनाम दौरे को सत्ता परिवर्तन की तैयारी से जोड़ने वाले भाजपा के आरोपों पर पवन खेड़ा ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप अब रोज का मजाक बन गए हैं और भाजपा के पास आरोप लगाने के लिए नए मुद्दे नहीं बचे हैं। खेड़ा ने सोरोस और उनसे जुड़ी संस्थाओं के वित्तपोषण और भाजपा नेताओं के संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी कुछ गलत कर रहे हैं तो सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए और आरोपों के समर्थन में तथ्य सामने रखने चाहिए।

एसबीआई के डेटा लीक से 3.75 लाख ग्राहकों के प्रभावित होने के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि देश के सबसे बड़े बैंकों में शामिल एसबीआई पर करोड़ों लोग भरोसा करते हैं। ऐसे में ग्राहकों के डेटा का लीक होना मामूली बात नहीं है। उन्होंने बैंक से मांग की कि वह प्रभावित ग्राहकों को भरोसे में लेकर स्पष्ट करे कि कौन-सा डेटा लीक हुआ है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने ग्राहकों के प्रति बैंक की जवाबदेही को महत्वपूर्ण बताया।

सोनिया गांधी की आगामी पुस्तक के विमोचन को लेकर खेड़ा ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल एक किताब नहीं, बल्कि सोनिया गांधी की उस भावनात्मक यात्रा का विवरण है, जो उन्होंने 1960 के दशक में भारत के साथ शुरू की थी और आज तक जारी है। खेड़ा ने सोनिया गांधी के जीवन के कठिन दौर और उनके प्रति की गई टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि तमाम परिस्थितियों के बावजूद देश के प्रति उनकी निष्ठा कमजोर नहीं हुई। इस पुस्तक को सभी को पढ़ना चाहिए, क्योंकि इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

हिमाचल में 2027 में भाजपा की सरकार बनने का अनुराग ठाकुर ने किया दावा, कांग्रेस की गारंटियों पर उठाए सवाल

शिमला, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने प्रदेश में स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि जनता ने स्पष्ट संकेत दिया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर चुनावी गारंटियां पूरी नहीं करने और प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर भी निशाना साधा। शिमला में मीडिया से बातचीत के दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि चार नगर निगमों में से तीन में भाजपा, 12 जिला परिषदों में से 11 में भाजपा और पंचायती राज चुनावों में लगभग 80 प्रतिशत जीत का दावा पार्टी के पक्ष में जनता के रुझान को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि इन नतीजों से संकेत मिलता है कि 2027 में हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने ठियोग विधानसभा क्षेत्र का जिक्र करते

हुए कहा कि वहां भी बड़ी संख्या में बीडीसी चेयरमैन, नगर पंचायत सदस्य, पंचायती राज संस्थाओं के प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्यों के चुनाव में भाजपा को जीत मिली है।

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस की चुनावी गारंटियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का 'खटाखट मॉडलइ अब खटारा हो गया है।

भाजपा सांसद ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति को लेकर भी कांग्रेस सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में वित्तीय अनुशासनहीनता और वित्तीय संकट की स्थिति स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने दावा किया कि छोटे से हिमाचल प्रदेश पर एक लाख 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है और कर्ज चुकाने के लिए भी कर्ज लिया जा रहा है।

इजरायली युवती का खोया हुआ पासपोर्ट, नकदी, क्रेडिट कार्ड और महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित बरामद कर किए सुपुर्द

टोंक, राजस्थान पुलिस अपनी संवेदनशीलता, तत्परता और उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानी जाती है। एक बार फिर टोंक जिले की मालपुरा पुलिस ने विदेशी पर्यटकों के प्रति

अपनी प्रतिबद्धता का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए रणथंबोर यात्रा के दौरान अपना कीमती सामान, पासपोर्ट और नकदी खो चुकी इजरायली युवती को उसका सारा सामान सकुशल बरामद कर वापस सौंप दिया है। समय पर मदद मिलने से खुश होकर इजरायली युवती ने राजस्थान पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में 26-27 अक्तूबर 2026 को आयोजित किया जाएगा 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच : लोक सभा अध्यक्ष

भारत के प्रधानमंत्री इस अवसर पर रहेंगे उपस्थित और आगंतुक शिष्टमंडलों के नेताओं से करेंगे भेंट: लोक सभा अध्यक्ष

ब्रिक्स और भागीदार देशों के पीठासीन अधिकारी, संसद सदस्य तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति संसदों के लिए रणनीतिक प्राथमिकताओं पर करेंगे मंथन: लोक सभा अध्यक्ष

जन-केंद्रित विकास के विषय पर भारत की अध्यक्षता में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली में जुटेंगे वैश्विक संसदीय नेता: लोक सभा अध्यक्ष

संस्थागत रिजिलिएन्स, एथिकल एआई और डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक शासन सुधार और सतत विकास के संबंध में संसद की कार्यवाही पर होगा विचार-विमश:

'लोक सभा अध्यक्ष

ब्रिक्स सदस्य और भागीदार देशों की अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समितियां संसदीय राजनय, क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम प्रथाओं पर करेंगी चचा: 'लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, भारत की संसद 26 और 27 अक्तूबर 2026 को संसद भवन परिसर में संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम का आयोजन करेगी। सम्मेलन का उद्घाटन 26 अक्टूबर को होगा ।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि यह सम्मेलन भारत के संसदीय राजनय के इतिहास में नया अध्याय है जिसमें ब्रिक्स के सदस्य देशों और भागीदार देशों के पीठासीन अधिकारी तथा संसदीय नेता; केंद्रीय मंत्री; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारी; संसद सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

लोक सभा अध्यक्ष ने बताया कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे और आगंतुक शिष्टमंडलों के नेताओं से भेंट करेंगे।

शिक्षा से साइबर सुरक्षा तक डॉ. जायर हुसैन रिजवी का सफर

सात बच्चों से शुरू की निःशुल्क शिक्षा की पहल, अब कतर के वित्त मंत्रालय में निभा रहे अहम जिम्मेदारी

(जीएनएस)।

बाराबंकी। शिक्षा, शोध और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में डॉ. सैयद जायर हुसैन रिजवी ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ से कंप्यूटर एप्लीकेशंस में पीएचडी प्राप्त डॉ. रिजवी वर्ष 2023 से कतर के वित्त मंत्रालय में साइबर सुरक्षा गवर्नेंस, रिस्क एंड कंप्लायंस कंसल्टेंट के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. रिजवी की सामाजिक यात्रा वर्ष 1996 में लखनऊ के पुराने शहर से शुरू हुई। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से निःशुल्क संध्याकालीन विद्यालय की स्थापना की। सात बच्चों से शुरू हुई यह पहल आगे चलकर एक पाली में लगभग 200 या उससे अधिक विद्यार्थियों तक पहुंची। उनका यह प्रयास शिक्षा के माध्यम से वंचित बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को

दशार्ता है। तकनीकी क्षेत्र में भी डॉ. रिजवी का अनुभव उल्लेखनीय रहा है। वह वर्ष 2011 से दिसंबर 2016 तक सीबीआई से जुड़े रहे। इस दौरान उन्होंने साइबर अपराधों की जांच और डिजिटल फॉरेंसिक्स के क्षेत्र में कार्य करने के साथ जांच अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया। उनका शोध स्वास्थ्य संबंधी संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और डेटा गवर्नेंस पर केंद्रित है। डिजिटल तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के दौर में व्यक्तिगत सूचनाओं की गोपनीयता और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण चुनौती बन गया है।

ऐसे में इस क्षेत्र में उनका शोध विशेष प्रासंगिकता रखता है। डॉ. जायर हुसैन रिजवी की यात्रा शिक्षा, तकनीकी विशेषज्ञता और सामाजिक जिम्मेदारी के समन्वय का उदाहरण है। निःशुल्क शिक्षा की पहल से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करने तक उनका सफर ज्ञान और सामाजिक प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित करता है।

कानून के प्रकांड विद्वान थे अधिवक्ता बाबू राम सरन यादव

जिला बार एसोसिएशन सभागार में पुण्यतिथि पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी

बाराबंकी। जिला मुख्यालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं विधि के प्रकांड विद्वान रहे स्व. बाबू राम सरन यादव की पुण्यतिथि पर जिला बार एसोसिएशन सभागार में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमन द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने उनके बहुआयामी व्यक्तित्व, विधिक ज्ञान और अधिवक्ता समाज में उनके योगदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि बाबू राम सरन यादव कानून के गहन अध्येता और अनुभवी अधिवक्ता थे। विधि के क्षेत्र में उनकी विद्वत्ता, कार्यशैली और व्यक्तित्व आज भी अधिवक्ता समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने विधिक ज्ञान और अनुभव से अधिवक्ता समुदाय में विशिष्ट पहचान बनाई। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अनुभव और आदर्श नई पीढ़ी के अधिवक्ताओं के लिए मार्गदर्शक होते हैं। विचार गोष्ठी में

जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह, बृजेश कुमार दीक्षित, बब्बन सिंह, एमपी सिंह, महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी, जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) श्रवण सिंह, पूर्व अध्यक्ष राम गोपाल शुक्ला, रघुराज वर्मा और नरेंद्र वर्मा ने बाबू राम सरन यादव के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। बाबू राम सरन यादव के दोनों शिक्षक पुत्र अरविंद यादव और आलोक यादव भी मौजूद रहे। अंत में स्व. यादव के जूनियर रहे अधिवक्ता राम हर्ष यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं पुण्यतिथि कार्यक्रम के समापन के तत्काल बाद जिला बार एसोसिएशन सभागार में 21 अक्टूबर को दिवंगत हुए अधिवक्ता पूर्ण चंद्र शुक्ला की स्मृति में शोक सभा आयोजित की गई। उपस्थित अधिवक्ताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिवक्ता समुदाय ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया। इस अवसर पर पूर्व पदाधिकारी नरेश सिंह, सुनीत अवस्थी, सीवी सिंह, शाहीन अख्तर, अशोक वर्मा, हुमायूं नईम खां, अमीनुद्दीन, राकेश त्रिवेदी, देवेंद्र प्रताप यादव, मदन लाल यादव, सुरेश गौतम, अनूप कल्याणी, रितेश मिश्रा, राम हर्ष यादव, त्रिभुवन यादव, इकबाल राही, शंकर दयाल शर्मा, काशी राम यादव और रामराज यादव सहित अनेक अधिवक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

कार और रोडवेज बस की आमने-सामने भिड़ंत, तीन लोग घायल

गोंडा-बहराइच हाईवे पर शाहवपुर नहर के पास हादसा

बाराबंकी। गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे कार और रोडवेज बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा शाहवपुर नहर के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार तीन लोग घायल हो गए। इनमें अंकित वैश्य की हालत गंभीर बताई गई है।

प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बहराइच निवासी राकेश वैश्य, अंकित वैश्य और शक्ति वैश्य कार (यूपी 40 बीएम 7001) से लखनऊ से बहराइच जा रहे थे। इसी दौरान शाहवपुर नहर के पास उनकी कार की बाराबंकी रोडवेज बस (यूपी 41 बीटी 6020) से टक्कर हो गई। आमने-सामने की भिड़ंत में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कार में सवार तीनों लोग घायल हो गए, जिनमें अंकित वैश्य को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम भी मौके पर पहुंची। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल अंकित वैश्य को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। हादसे में रोडवेज बस में सवार किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। मसौली थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

दुष्कर्म के मामले में दोषी को पांच साल का कठोर कारावास

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी पर अदालत ने लगाया 30 हजार रुपये का जुमार्ना

बाराबंकी। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप दुष्कर्म के आठ वर्ष पुराने मामले में अदालत ने दोषी को पांच साल के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नंबर-36 ने थाना जहांगीराबाद में दर्ज मामले में यह फैसला सुनाया। पुलिस के अनुसार, जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में दो जून 2018 को एक व्यक्ति ने अपनी पुत्री के साथ दुष्कर्म और धमकी देने के आरोप में अछेछा निवासी राजू पुत्र मोल्हे के खिलाफ तहरीर दी थी। इसके आधार पर थाना जहांगीराबाद में मुकदमा अपराध संख्या 63/2018, धारा 376 और 506 भारतीय दंड संहिता के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। तत्कालीन विवेचक निरीक्षक ध्रुव कुमार ने साक्ष्य संकलित कर वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूरी की और न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। इसके बाद पुलिस की मॉनीटरिंग सेल, पैरोकार और अभियोजन पक्ष ने मामले की प्रभावी पैरवी की। न्यायालय ने अभियुक्त को दोषसिद्ध करते हुए पांच वर्ष के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत महिला संबंधी और जघन्य अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने के लिए न्यायालय में प्रभावी पैरवी की जा रही है। इस मामले में अभियोजन अधिकारियों रमाकांत द्विवेदी और अरविंद राजपूत के साथ मॉनीटरिंग सेल प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार यादव, उपनिरीक्षक अमर बहादुर सिंह, महिला मुख्य आरक्षी प्रतिमा द्विवेदी और पूजा रानी पटेल सहित अन्य पुलिसकर्मियों तथा थाना जहांगीराबाद के पैरोकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस के मुताबिक, ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित मामलों में गुणवत्तापूर्ण विवेचना, साक्ष्यों की प्रभावी प्रस्तुति और अभियोजन पक्ष से समन्वय स्थापित कर दोषियों को सजा दिलाने की कार्रवाई की जा रही है।

695 बच्चों को मिलेंगे चश्मे, अब तक 1251 को मिला लाभ

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने संस्थागत प्रसव बढ़ाने में तेजी लाने के दिए निर्देश

(जीएनएस)।

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में गुरुवार को जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई। इसमें स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति, संस्थागत प्रसव, विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान की समीक्षा की गई। डीएम ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बच्चों की दृष्टि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए चलाए जा रहे ह्यहंसता बचपन, खिलता जीवनह्न अभियान की समीक्षा की गई। अभियान के तहत 21

जुलाई से 20 अगस्त 2026 के बीच चिह्नित 695 बच्चों को चश्मे उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। विजय लक्ष्मी हॉस्पिटल के डॉ. विवेक वर्मा ने सीएसआर के माध्यम से 499 बच्चों तथा श्री कुशल अग्रवाल ने 196 बच्चों के लिए चश्मे उपलब्ध कराए हैं। अभियान के तहत अब तक जिले में कुल 1,251 बच्चों को चश्मे दिए जा चुके हैं। डीएम ने संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़ाने के लिए आशा और एएनएम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का समय से पंजीकरण कराने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और प्रसव की संभावित तिथि के अनुसार जरूरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को संस्थागत प्रसव के लाभों के प्रति जागरूक किया जाए तथा उन्हें सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था की जाए।

उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और प्रसव संबंधी व्यवस्थाएं उपलब्ध रखने पर जोर देते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

27 अक्टूबर से शुरू होगी मानस कथा, उपमुख्यमंत्री होंगे शामिल

बाराबंकी। रामनगर में 27 अक्टूबर से श्रीराम कथा का आयोजन होगा। श्री लोधेश्वर महादेव की पावन नगरी में यह कथा 04 नवंबर 2026 तक चलेगी। मानस मर्मज्ञ संत श्री अतुल कृष्ण भारद्वाज महाराज कथा सुनाएंगे। समस्त हिंदू समाज, रामनगर इस आयोजन को कर रहा है। कथा रोज दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक पुरानी तहसील प्रांगण, थाने के सामने होगी।

भाजपा नेता निखिल पांडे ने बताया कि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक समेत कई भाजपा नेता इसमें शामिल होंगे। कथा के लिए त्रिलोकपुर क्षेत्र के निजामपुर सहित कई गांवों में घर-घर जाकर निमंत्रण पत्र दिए जा रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि कथा के मुख्य यजमान श्री हनुमान जी महाराज रहेंगे।

स्नातक-शिक्षक एमएलसी चुनाव : 72 बूथों पर आज पड़ेंगे वोट, पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

39,814 स्नातक और 2,707 शिक्षक मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

(जीएनएस)।

बाराबंकी। लखनऊ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव के लिए जिले में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शुक्रवार, 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान के लिए गुरुवार को जीआईसी ऑडिटोरियम से पोलिंग पार्टियां रवाना की गईं। लखनऊ मंडल के आयुक्त एवं रिटर्निंग ऑफिसर विजय विश्वास पंत ने रवानगी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने उन्हें निर्वाचन तैयारियों, मतदान कार्मिकों की तैनाती और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। जिले में दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 72 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। इनमें स्नातक निर्वाचन के 54 और शिक्षक निर्वाचन के 18 मतदेय स्थल शामिल हैं। स्नातक निर्वाचन में 39,814, जबकि शिक्षक निर्वाचन में 2,707 मतदाता पंजीकृत हैं। इस तरह दोनों निर्वाचन

क्षेत्रों में कुल 42,521 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले में छह जोनल मजिस्ट्रेट और 18 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। संबंधित तहसीलों के उपजिलाधिकारियों को जोनल मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने निर्धारित क्षेत्रों में मतदेय स्थलों की व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। प्रत्येक मतदेय स्थल पर पीठासीन अधिकारी, प्रथम, द्वितीय और तृतीय मतदान अधिकारी सहित आवश्यक कार्मिकों की तैनाती की गई है। माइक्रो ऑब्जर्वर भी निर्वाचन प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। जिला प्रशासन के मुताबिक, मतदान शुक्रवार को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान अधिकारियों ने निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन ने मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन के अनुसार, रवाना की गई पोलिंग पार्टियों के निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंचने की जानकारी भी प्राप्त हुई है। अब जिले के 72 मतदेय स्थलों पर होने वाले मतदान पर निगाहें टिकी हैं। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता शुक्रवार को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

निधि सिंह बनीं वूमेन ऑफ द मैच, भूमि शुक्ला ने बनाए 35 रन

महिला क्रिकेट लीग में कल्पना स्ट्राइकर्स ने सरोजिनी इलेवन को आठ रन से हराया

(जीएनएस)।

बाराबंकी। बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित प्रथम जिला बाराबंकी महिला क्रिकेट लीग-2026 में गुरुवार को कल्पना स्ट्राइकर्स ने रोमांचक मुकाबले में सरोजिनी इलेवन को आठ रनों से पराजित कर जीत दर्ज की। मुकाबले में दोनों टीमों की महिला खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। सरोजिनी इलेवन की निधि सिंह को ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए वूमेन ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कल्पना स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 122 रन बनाए। टीम की ओर से भूमि शुक्ला ने सर्वाधिक 35 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं, तथीर फातिमा और ईशा सिंह ने 17-17 रनों का योगदान देकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

सरोजिनी इलेवन की ओर से गेंदबाजी में वैभवी यादव ने दो विकेट झटके, जबकि जोया पांडे और निधि सिंह को एक-एक सफलता मिली। 123 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरोजिनी इलेवन की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 114 रन ही बना सकी। टीम की ओर से अदीमा मिश्रा ने नाबाद 39 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। निधि सिंह ने भी नाबाद 24 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने का प्रयास किया, लेकिन कल्पना स्ट्राइकर्स की गेंदबाजों ने अंतिम समय तक दबाव बनाए रखा और मुकाबला आठ रनों से अपने नाम कर लिया। विजेता टीम की ओर से भव्या और लवी सिंह ठाकुर ने एक-एक विकेट हासिल किया। मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उपयोगी योगदान देने वाली सरोजिनी इलेवन की निधि सिंह को वूमेन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. चौधरी अहमद जावेद, संयुक्त सचिव अंकुर माथुर और कोषाध्यक्ष राजेश अरोड़ा श्बब्बूश सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

रबी की बुवाई के मद्देनजर प्रशासन की कार्रवाई, 18 उर्वरक नमूने लिए गए, ओवररेटिंग और टैगिंग पर सख्त चेतावनी

(जीएनएस)।

बाराबंकी। रबी फसलों की बुवाई के मद्देनजर जिले में उर्वरकों की उपलब्धता, निर्धारित दर पर बिक्री और टैगिंग की जांच के लिए गुरुवार को प्रशासन ने अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देश पर कृषि एवं राजस्व विभाग की तहसीलवार गठित टीमों ने जिले के 48 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर छापेमारी की। इस दौरान 18 उर्वरक नमूने लिए गए, जबकि दो विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय प्राधिकार-पत्र निलंबित कर दिए गए। जांच के दौरान तहसील रामनगर में उप कृषि निदेशक उमेश कुमार ने छह बिक्री केंद्रों पर छापे डाले। नवाबगंज तहसील में जिला कृषि अधिकारी राजित राम के नेतृत्व में 12 केंद्रों की जांच की गई और 10 नमूने लिए गए। फतेहपुर तहसील में जिला कृषि रक्षा अधिकारी विजय कुमार ने आठ केंद्रों पर छापेमारी की। रामसनेहीघाट

तहसील में भूमि संरक्षण अधिकारी, गोमती सौरभ कुमार ने पांच केंद्रों की जांच की। हैदरगढ़ तहसील में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक राहुल कुमार ने सात केंद्रों पर छापे डाले और चार नमूने लिए। इस दौरान मेसर्स शिवांश बीज भंडार, सैदनपुर का प्रतिष्ठान पर उपलब्ध नहीं होना सामने आया। इसके बाद संबंधित विक्रेता का उर्वरक विक्रय प्राधिकार-पत्र निलंबित कर दिया गया। सिरौलीगौसपुर तहसील में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक देशराज ने आठ केंद्रों पर जांच की और चार नमूने लिए। यहां मेसर्स यादव खाद भंडार, मरकामऊ का प्रतिष्ठान बंद मिला। इस पर संबंधित विक्रेता का उर्वरक विक्रय प्राधिकार-पत्र निलंबित किया गया। प्रशासन ने जिले के सभी फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को प्रतिष्ठान पर रेट और स्टॉक बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। विक्रेताओं को पीओएस मशीन के माध्यम से किसानों को निर्धारित मूल्य पर बिना किसी टैगिंग के उर्वरक उपलब्ध कराना होगा। बिक्री फार्मर रजिस्ट्री और जोत के आधार पर संस्तुत मात्रा के अनुसार की जानी है। इसके साथ ही बिक्री पंजिका में प्रत्येक लेनदेन का पूरा विवरण अद्यतन रखना अनिवार्य किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री या उर्वरकों की टैगिंग की शिकायत अथवा पुष्टि होने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश, 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एमएलसी चुनाव में दावेदारों ने बहाया पसीना, असल परीक्षा आज

कांति सिंह और इं. अवनीश सिंह ने झोंकी ताकत, समर्थकों ने संभाला मोर्चा

(जीएनएस)।

बाराबंकी। विधान परिषद चुनाव को लेकर कई दिनों से चल रही चुनावी सरगर्मी अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। मतदान से पहले कांति सिंह और इंजीनियर अवनीश सिंह ने मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। जनसंपर्क, बैठकों और समर्थकों की सक्रियता के बीच दोनों खेमों ने चुनावी समीकरण अपने पक्ष में करने की कोशिश की। अब गुरुवार को मतदान के साथ ही प्रत्याशियों की मेहनत और संगठनात्मक तैयारियों की असल परीक्षा होगी। चुनावी अभियान के दौरान दोनों दावेदारों ने मतदाताओं तक पहुंचने और समर्थन जुटाने पर विशेष जोर दिया। एक ओर कांति सिंह के समर्थकों ने संपर्क अभियान के जरिए चुनावी माहौल बनाने का प्रयास किया, वहीं इंजीनियर

अवनीश सिंह के पक्ष में भी समर्थक सक्रिय नजर आए। मतदान से पहले दोनों खेमों का जोर अपने समर्थक मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर रहा। चुनावी गतिविधियों के बीच मतदाताओं का रुख दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। प्रचार के दौरान समर्थन के दावों के बावजूद मतदान के समय मतदाताओं की वास्तविक पसंद ही परिणाम की दिशा तय करेगी। ऐसे में चुनावी गणित के साथ व्यक्तिगत संपर्क और समर्थकों की सक्रियता को भी अहम माना जा रहा है। मतदान से ठीक पहले दोनों खेमों की रणनीति का केंद्र समर्थक मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाना है। चुनावी जानकारों के मुताबिक, करीबी मुकाबले की स्थिति में मतदान प्रतिशत और मतदाताओं की लामबंदी निर्णायक साबित हो सकती है। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त दिखाई दे रहे हैं, लेकिन मतदाताओं का फैसला मतपेटियों में बंद होने के बाद ही तस्वीर साफ होगी। चुनावी प्रचार का शोर थमने के साथ अब निगाहें मतदान पर टिक गई हैं। देखना होगा कि जनसंपर्क में बहाया गया पसीना किसके पक्ष में जनसमर्थन में तब्दील होता है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

शांति के प्रति प्रतिबद्धता

, हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के दम्माम स्थित किंग फहद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 21 अक्टूबर के हमले में एक भारतीय की मौत तथा दो अन्य के घायल होने पर भारत का असहज होना स्वाभाविक है। इसीलिए बृहस्पतिवार को विदेश मंत्रालय के सचिव (वेस्ट) सिबी जार्ज ने दो टूक कहा कि नागरिकों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाने बनाने वाले हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। इस हमले के साथ ही साथ सऊदी अरब के पूवी प्रान्त में सऊदी-अमेरिका के शायबा तेल क्षेत्र पर भी हमला हुआ और इस हमले में भी एक भारतीय घायल हुआ। इस महीने की शुरूआत में भी हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी ठिकानों पर हमलों में भारतीय नागरिकों के घायल होने की खबर आई। दरअसल जब भारत का कोई भी नागरिक किसी भी देश में आतंक का निशाना बनाया जाता है तो भारत में उसकी तीखी प्रतिव्रिया होती ही है क्योंकि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां पर नागरिकों का जीवन बहुमूल्य माना जाता है। इसीलिए जब कभी भारतीय नागरिकों की मौत की कोई भी खबर आती है तो भारत में विदेश मंत्रालय की सव्रियता स्वतः बढ़ जाती है और प्रतिव्रिया भी आती है। लेकिन इसके साथ ही दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि बृहस्पतिवार को विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब की संप्रभुता एवं सुरक्षा के लिए वहां की जनता और सरकार के साथ एकजुटता जताकर स्पष्ट कर दिया कि भारत हर तरह के आतंकवाद का विरोधी है। सच तो यह है कि सऊदी अरब ने पाकिस्तान और तुर्किए के साथ मिलकर सुरक्षा संबंधी जो समझौता किया है, उसकी सार्थकता तो यही है कि अब तक दोनों देशों को अपनी फौज सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए भेज देना चाहिए थी। किन्तु आए दिन हूती विद्रोही धड़ल्ले से सऊदी के तेल संयंत्रों और हवाई अड्डों को निशाना बना रहे हैं लेकिन अब सऊदी अरब के प्रति कागजों पर एकजुटता दिखाने वाले चुप्पी साधे बैठे हैं। हैरानी तो तब होती है जब सऊदी को सुरक्षा का वचन देने वाले अमेरिका ने उसे टका सा जवाब देकर नसीहत दे डाली की वह अपनी सुरक्षा खुद करे। वास्तविकता तो यह है कि अमेरिका कभी किसी के लिए वुछ भी नहीं करता और यदि करता है तो उसकी पूरी कीमत ब्याज सहित वसूल लेता है। मजे की बात तो यह है कि सऊदी अरब से सुरक्षा के आश्वासन मात्र पर वह काफी धन वसूल चुका है किन्तु हूती विद्रोहियों के हमलों को लेकर वह भी चुप है। सच तो यह है कि अमेरिका ने हूती विद्रोहियों से एक समझौता कर लिया है। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को हूती विद्रोहियों ने इसी शर्त पर इस बात का आश्वासन दे रखा है कि वे अमेरिकी प्रतिष्ठानों पर कोई हमला तब तक नहीं करेंगे जब तक अमेरिका सऊदी अरब में हूती हमलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगा। अमेरिका की इसी वुटिल नीति के कारण सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी सहायता नहीं मिल पा रही है। लब्बोलुआब यह है कि हूती विद्रोहियों को ईरान ही मदद देता रहा है और उन्हें अरब के खिलाफ भड़काता रहा है। लेकिन हैरानी इस बात की है कि सऊदी ने जिन देशों पर भरोसा किया वे सभी पीछे हट गए और भारत ने सऊदी अरब के अत्यंत बुरे दिनों में भी उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता तो जताई ही बल्कि चेतावनी भी दी है ताकि सऊदी अरब की तबाही को तत्काल रोका जा सके। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारत ने सऊदी अरब के प्रति संवेदना दिखाई जिसका मक्का समझौता भारत के खिलाफ भी माना जाता है। यही तो है भारत की विदेश नीति में शांति के प्रति प्रतिबद्धता का मूलमंत्र।

दाऊद इब्राहिम को भारत में रहने वाला बताने से जुड़ी यूएन रिपोर्ट पर भारत ने जताया कड़ा विरोध

(जीएनएस)।

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली, भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक विशेष विशेषज्ञ की उस रिपोर्ट का कड़ा विरोध जताया है, जिसमें वांछित आतंकवादी दाऊद इब्राहिम को भारत में रहने वाला बताया गया। भारत ने कहा कि इस तरह की गलत जानकारी संयुक्त राष्ट्र की साख को गंभीर नुकसान पहुंचाती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को आतंकवाद और मानवाधिकार मामलों के विशेष रिपोर्टर बेन सॉल की जुलाई में जारी रिपोर्ट की आलोचना की। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में गंभीर और साफ दिखाई देने वाली गलतियां हैं और इसे तैयार करने में अयोग्यता दिखाई गई है। विशेष रिपोर्टर सीधे संयुक्त राष्ट्र से वेतन नहीं लेते और उनसे स्वतंत्र रूप से काम करने की अपेक्षा की जाती है।

यूएन वॉच नामक निगरानी संगठन के एक डेटाबेस के अनुसार, बेन सॉल को चीन से 1,50,000 डॉलर की फंडिंग मिली है।

यूएन वॉच के मुताबिक, सिडनी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर और ऑस्ट्रेलियन रिसर्च काउंसिल फ्यूचर फेलो रहे सॉल को कुल मिलाकर 1.7 मिलियन डॉलर का वित्तीय सहयोग मिला है। इस फंडिंग में उनके विश्वविद्यालय के अलावा अमेरिका के तीन विश्वविद्यालयों तथा स्विट्जरलैंड और स्पेन की संस्थाओं का भी योगदान बताया गया है।

बेन सॉल की रिपोर्ट में दाऊद इब्राहिम को आतंकवादी संबंधों वाले भारत-आधारित डी-कंपनी आपराधिक गिरोह का सरगना बताया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उसे अल-कायदा से संबंध रखने के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध सूची में डाला गया था।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रघु पुरी ने कहा, अगर इस लाइन को अकेले पढ़ा जाए तो यह वास्तविक स्थिति से बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है।

उन्होंने कहा कि डी-कंपनी और उसका प्रमुख दाऊद इब्राहिम 1993 से भारत में हुए आतंकी हमलों के मामलों में वांछित हैं।

पुरी के मुताबिक, सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध व्यवस्था के तहत जारी आधिकारिक विवरण में यह बात साफ तौर पर दर्ज है, लेकिन सॉल ने इसे अपनी रिपोर्ट में शामिल नहीं किया।

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में यह भी नहीं बताया गया कि दाऊद इब्राहिम भारत के बाहर रहता है और भारत उसे लंबे समय से आतंकवादी के रूप में तलाश रहा है। इस तथ्य का जिक्र न करना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे विशेष पदाधिकारियों की यह अयोग्यता संयुक्त राष्ट्र को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाती है।

भारत के आग्रह पर दाऊद इब्राहिम के खिलाफ इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके तहत दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उसकी तलाश और गिरफ्तारी के लिए सतर्क रहने को कहा गया है।

पुरी ने कहा, रिकॉर्ड के लिए मैं बताना चाहता हूं कि दाऊद इब्राहिम 2003 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किए जाने से काफी पहले भारत से भाग चुका था। भारत से बाहर रहते हुए ही उसे अल-कायदा और ओसामा बिन लादेन से संबंधों के कारण प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया था। दाऊद आज भी भारत में वांछित अपराधी है और संयुक्त राष्ट्र की सूची के अनुसार वह उसी देश में रह रहा है, जहां ओसामा बिन लादेन छिपा हुआ पाया गया था।

पुरी ने कहा, मानवाधिकारों का ढांचा आतंकवादियों या कट्टरपंथ और उग्रवाद फैलाने वालों की शरणस्थली नहीं बन सकता। आतंकवाद को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत को विशेष रिपोर्टर के कार्यालय को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्टों पर चिंता है। हम उम्मीद करते हैं कि इस पद से जुड़े लोग ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के सर्वोच्च मानकों का पालन करेंगे।

कश्मीर का मुद्दा उठाने वाले पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए रघु पुरी ने कहा, इस कमरे में मौजूद हर व्यक्ति जानता है कि मेरे देश के खिलाफ कही गई बातें, जिनमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का जिक्र भी शामिल है, बेहद संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए किया गया प्रचार है।

उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ ये आरोप पाकिस्तान के वास्तविक शासकों, यानी उसकी सेना की ओर से लगाए गए हैं। मैं रिकॉर्ड पर दोहराना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा हैं, हमेशा रहे हैं और हमेशा रहेंगे।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने विधिक सुधारों पर आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन किया

विधिक सुधारों को बदलते समय के अनुरूप होना चाहिए: उपराष्ट्रपति ने सुशासन के लिए राज्यों से अप्रचलित कानूनों को निरस्त करने का आग्रह किया

कानून का अंतिम उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए न्यायपूर्ण, सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना है : उपराष्ट्रपति

सशक्त राज्य, सशक्त संघ का निर्माण करते हैं; सहकारी शासन संवैधानिक आदर्शों को जनकल्याण में परिवर्तित करता है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारतीय विधि आयोग द्वारा आयोजित 'सहकारी संघवाद और विधिक सुधारः राष्ट्रीय एवं राज्य परिप्रेक्ष्यइ विषय पर सम्मेलन का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। संविधान, संघ की शक्ति तथा राज्यों की जिम्मेदारियों और उनकी वैध स्वायत्तता के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारतीय संघवाद की वास्तविक शक्ति विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय उद्देश्यों की दिशा में संयुक?त रूप से कार्य करने में निहित है।

सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी के नेतृत्व में 'टीम इंडियाइ की परिकल्पना केंद्र और राज्यों के बीच परामर्श, समन्वय और साझा दायित?व की आकांक्षा रखती

है। उन्होंने कहा कि व्यापक जनहित में मिलकर काम करने के मार्ग में राजनीतिक मतभेद कभी बाधा नहीं बनने चाहिए।

श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने विकसित भारत ञ्च2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में विधिक सुधारों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विकास को सुदृढ़ कानूनों, पारदर्शी संस्थाओं, कुशल प्रशासन और सभी के लिए न्याय का समर्थन मिलना आवश्यक है।

उपराष्ट्रपति ने पिछले बारह वर्षों में औपनिवेशिक काल के तीन आपराधिक कानूनों को प्रतिस्थापित करने और 1,700 से अधिक अप्रचलित कानूनों को निरस्त करने को भारत की विधिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने राज्यों के विधि आयोगों से पुराने और अप्रासंगिक कानूनों की पहचान करने तथा उन्हें संशोधित करने या निरस्त करने की सिफारिश करने का आग्रह किया, ताकि जीवनयापन में सुगमता और कुशल शासन को बढ़ावा दिया जा सके।

विधिक सुधारों में सहकारी संघवाद के महत्व पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ प्रत्येक मामले में एकरूपता स्थापित करना नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां केंद्र और राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारियां एक-दूसरे से जुड़ती हैं, वहां दोनों को मिलकर काम करना चाहिए, साथ ही राज्यों की उन वैध स्वतंत्रताओं को भी संरक्षित रखा जाना चाहिए, जिनके माध्यम से वे अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। उन्होंने अंतरराज्यीय परामर्श, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान और पुराने कानूनों की व्यवस्थित समीक्षा के माध्यम से भारतीय विधि आयोग, राज्य विधि आयोगों और राज्य विधि विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का आह्वान किया।

संसद में स्थापित सेंगोल का उल्लेख करते हुए, जिसे धर्मसम्मत सत्ता और नैतिक शासन का प्रतीक माना जाता है, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने सुशासन और विधि के शासन के पालन के संबंध में तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर की शाश्वत शिक्षाओं का स्मरण किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि केवल सत्ता का प्रयोग नहीं, बल्कि सुशासन ही स्थायी सफलता और समृद्धि का आधार है।

उपराष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन से एक सुसंगत, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित विधिक व्यवस्था के निर्माण की दिशा में ठोस और क्रियान्वयन योग्य सिफारिशें प्राप्त होंगी।

इस अवसर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल, भारतीय विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, भारतीय विधि आयोग की सदस्य-सचिव डॉ. अंजू राठी राणा तथा भारतीय विधि आयोग के सदस्य प्रो. डी. पी. वर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मौली तनुज प्रशांत की फिल्म डोंगा ना कोडुकु का टीजर जारी, कॉमेडी और क्राइम का मिलेगा तड़का

अभिनेता मौली तनुज प्रशांत की आगामी तेलुगु क्राइम-कॉमेडी फिल्म डोंगा ना कोडुकु के निमार्ताओं ने बुधवार को इसका मजेदार टीजर जारी किया। श्रीनु कंबाला के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर दर्शकों को हंसी और मनोरंजन की भरपूर झलक देता है। कई सफल फिल्मों का निर्माण कर चुका प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर टीजर का लिंक साझा किया। निमार्ताओं ने पोस्ट में लिखा, भद्रम, सावधान रहना भाई... डोंगा ना कोडुकु और उसका परिवार आ गया है। फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। डोंगा ना कोडुकु 13 नवंबर से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रही है। फिल्म का निर्देशन श्रीनु कंबाला ने किया है, जो इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कहानी ईश्वर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बीटेक की पढ़ाई बीच में छोड़ चुका है। उसके माता-पिता पैसों को बहुत महत्व देते हैं। उसकी जिंदगी में एक करीबी दोस्त और गर्लफ्रेंड भी है। हालांकि, ईश्वर अपनी अगली

जिंदगी में इनमें से किसी को नहीं चाहता और उसकी इच्छा सिर्फ पैसा पाने की है।

कहानी में चोरी और अपराध के तत्वों की एंट्री के साथ घटनाक्रम दिलचस्प मोड़ लेता है। फिल्म में हास्य के साथ क्राइम का मेल देखने को मिलेगा। टीजर का अंत समुद्र तट पर ईश्वर और उसकी गर्लफ्रेंड के बीच खाने को लेकर होने वाली मजेदार नोकझोंक के साथ होता है। फिल्म लिटिल हाट्र्स में अपने अभिनय के लिए सराहना हासिल करने वाले मौली तनुज प्रशांत एक बार फिर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाते नजर आएंगे।

टीजर में पाउडर वाला दृश्य, जिंदगी को लेकर मौली के किरदार का मजेदार नजरिया और टिफिन से जुड़ा हास्यपूर्ण प्रसंग शामिल है। इन दृश्यों से फिल्म में कॉमेडी की भरपूर खुराक मिलने की उम्मीद दिखाई देती है। फिल्म में सुष्मिता शेट्टी मौली की मासूम गर्लफ्रेंड की भूमिका में नजर आएंगी। अली और रजिता ने उनके माता-पिता का किरदार निभाया है। वहीं, रघुबाबू, प्रिया और गुंडू सुदर्शन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

निर्देशक श्रीनु कंबाला ने मुख्य किरदार के अनोखे स्वभाव और उससे पैदा होने वाली हास्यपूर्ण परिस्थितियों के इर्द-गिर्द कहानी बुनी है। मौली के किरदार का चित्रण और अलग-अलग दृश्यों में कॉमेडी का इस्तेमाल फिल्म को मनोरंजक बनाने पर निर्देशक के जोर को दर्शार्ता है। फिल्म का निर्माण नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर ने किया है, जबकि अनिल येरनेनी सह-निमार्ता हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सूर्या बालाजी ने संभाली है। संगीत सिंजित येर्रामिल्ली ने दिया है। फिल्म का संपादन श्रीधर सोमपल्ली ने किया है और प्रोडक्शन डिजाइन की जिम्मेदारी नागेंद्र गुव्वाला ने निभाई है।

कुल मिलाकर, फिल्म का टीजर चोरी और अपराध से जुड़ी दिलचस्प कहानी के साथ हास्य और मनोरंजन की भरपूर झलक पेश करता है।

अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पूछ रही हैं, तू कब आएगा?

(जीएनएस)।

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया? वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था

अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, में वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठाकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।

अनुपम खेर ने आगे लिखा, फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है। अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहींज कोई बात नहीं। उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है।

अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूं, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक्र करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते हुए। आपका चेहरा कैसे भूल सकता हूं, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।

एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर को पर्दे पर दुल्हन बनना पसंद, टीवी शो वसुधा के बारे में दी अपडेट

(जीएनएस)।

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो वसुधा में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते

हुए प्रिया ने कहा, दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।

प्रिया ने कहा, शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैंस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है। मुझे खूबसूरत और रॉयल आउटफिट्स के साथ जूलरी पहनना अच्छा लगता है, हालांकि उन्हें लंबे समय तक संभालकर रखना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, इस पूरे ट्रैक की शूटिंग का अनुभव शानदार रहा है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को देव और वसुधा की जिंदगी के इस नए सफर को देखना पसंद आएगा।

देव का किरदार निभाने वाले अभिषेक शर्मा भी इस शादी के ट्रैक को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि देव और वसुधा को आखिरकार उनकी खुशियों भरी जिंदगी मिल रही है, जिसका फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। शादी के ट्रैक की शूटिंग काफी एक्साइटिंग होती है। हमारी टीम काफी मेहनत कर रही है, जिससे पूरा काम आसान और मजेदार बन जाता है। पूरी कास्ट भी काफी प्रोफेशनल और सपोर्टिव है। जब आसपास इतने अच्छे लोग हों, तो मुश्किल सीन भी यादगार बन जाते हैं।

शो में इससे पहले हल्दी, मेहंदी, संगीत और शादी की रस्मों जैसे कई फंक्शन दिखाए जा चुके हैं।

निजी दर्द को शब्दों में पिरोकर कादर खान ने लिखा था मुकद्दर का सिकंदर का यादगार सीन, अमिताभ बच्चन हो गए थे भावुक

(जीएनएस)।

बॉलीवुड अभिनेता कादर खान ने अपने करियर में कभी विलेन बनकर दर्शकों को डराया, तो कभी कॉमेडी से हंसाया। वहीं अपनी लेखनी से अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार के किरदारों को खास पहचान भी दी लेकिन फिल्मों में आने से पहले कादर खान की जिंदगी बिल्कुल अलग थी। वह सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर थे और पढ़ाने के साथ थिएटर में भी एक्टिव रहते थे। फिर उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे चर्चित डायलॉग राइटर्स में शामिल कर दिया। कादर खान के लिखे डायलॉग्स की ताकत का एक बड़ा उदाहरण 1978 में रिलीज हुई फिल्म

मुकद्दर का सिकंदर का 16 पन्नों वाला सीन है। कादर खान ने इस सीन में अपने जीवन के अनुभवों को उतार दिया था। जब उन्होंने अमिताभ बच्चन को इसे सुनाया तो बिग बी इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। कादर खान का जन्म 1937 में काबुल में हुआ था।

उनका परिवार बाद में मुंबई आ गया, जहां उन्होंने मुश्किल हालात में अपना बचपन बिताया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई के एमएच साबू सिद्दीक पॉलिटेक्निक में लेक्चरर रहे और उन्हें बेस्ट टीचर का अवॉर्ड भी मिला लेकिन पढ़ाने के साथ-साथ एक्टिंग और डायलॉग लिखने का शौक उनके भीतर बना रहा। वह थिएटर में हिस्सा लेते थे और स्टेज पर अपनी प्रतिभा दिखाते थे।

गंज मुरादाबाद सीएचसी में अनियमितता का आरोप, अधीक्षक के दावे पर सवाल ?

(जीएनएस)।

गंज मुरादाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भारी अनियमितता का आरोप, ड्यूटी छोड़ने का आरोप, जिसका एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने का आरोप।

वायरल कथित वीडियो में देखा जा सकता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में केवल एक ही डॉक्टर ओपीडी में मरीज देख रहे हैं जबकि दूसरे डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं दिखने का आरोप है। वहीं अधीक्षक का दावा है कि हमारे डॉक्टर नियमित रूप से प्रतिदिन आते हैं, कोई इमरजेंसी होती है तो नहीं आते।

ग्रामीणों का आरोप है कि अधीक्षक का यह दावा फेल होता दिख रहा है, क्योंकि वीडियो में एक ही डॉक्टर के भरोसे पूरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चलने का आरोप है।

करीब 22 किलोमीटर दूर से आए एक मरीज ने बताया कि वह अपने बच्चों को दिखाने आए थे लेकिन डॉक्टर न मिलने के कारण वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि जहां अक्सर ऐसा ही रहता है, एक ही डॉक्टर के भरोसे पूरी ओपीडी चलती है। यहां पर दो डॉक्टर तैनात हैं लेकिन दोनों डॉक्टर कभी एक साथ नहीं देखे जाने का आरोप है।

नाम न लिखने की शर्त पर एक व्यक्ति ने बताया कि यह रूटीन पिछले करीब 6-7 महीना से चलने का आरोप है। कई बार खबरें भी प्रकाशित की गई लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया।

अब देखना यह है कि क्या उन्नाव डीएम और उन्नाव सीएमओ इस पर जांच करते हैं। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच और यदि लापरवाही पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। कब तक गरीब किसान मजदूर को सही समय पर सही इलाज मिलेगा?

नोट - यह खबर ग्रामीणों के आरोपों और वायरल कथित वीडियो पर आधारित है, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं है। पुष्टि जांच के बाद ही संभव है। सभी पक्षों का पक्ष आने पर प्रकाशित किया जाएगा।

गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी पर उठे सवाल, उपभोक्ताओं को घर के बजाय बुलाया जा रहा बाहर!

(जीएनएस)।

किरन भारत गैस, इंडियन गैस और एचपी गैस की डिलीवरी व्यवस्था पर शिकायतें, जिम्मेदार अधिकारियों से जांच की मांग

लखनऊ। गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं ने सवाल उठाए हैं। किरन भारत गैस, इंडियन गैस और एचपी गैस से जुड़े कुछ उपभोक्ताओं का आरोप है कि बुकिंग कराने के बाद भी सिलेंडर घर तक पहुंचाने के बजाय उन्हें एजेंसी या किसी निर्धारित स्थान पर बुलाया जाता है। इससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

होम डिलीवरी है तो घर तक क्यों नहीं पहुंच रहा सिलेंडर?

उपभोक्ताओं का कहना है कि जब गैस सिलेंडर की डिलीवरी उनके पंजीकृत पते पर होनी चाहिए, तो उन्हें खुद सिलेंडर लेने के लिए क्यों बुलाया जाता है? इस व्यवस्था से बुजुर्गों, महिलाओं और ऐसे लोगों को अधिक परेशानी होती है, जो भारी सिलेंडर उठाकर नहीं ले जा सकते।

डिलीवरी व्यवस्था की निगरानी पर सवाल

उपभोक्ताओं ने संबंधित गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली और डिलीवरी व्यवस्था की निगरानी पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ताओं को नियमानुसार सुविधा मिले और शिकायतों का समय पर निस्तारण किया जाए।

अधिकारियों से जांच और कार्रवाई की मांग

गैस सिलेंडर आम जनता की जरूरत से जुड़ी आवश्यक सेवा है। ऐसे में डिलीवरी व्यवस्था में लापरवाही या मनमानी की शिकायतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उपभोक्ताओं ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कराने और होम डिलीवरी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है।

अब सवाल यह है कि संबंधित अधिकारी इन शिकायतों पर कब संज्ञान लेंगे और उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाएंगे?

बिल्हौर विधानसभा में संपन्न हुई बीएसपी की सेक्टर समीक्षा बैठक

(जीएनएस)।

बिल्हौर कानपुर नगर

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी की चार-चार बार रही मुख्यमंत्री आयरन लेडी परम आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी के निदेर्शानुसार आज दिनाँक 22 अक्टूबर 2026 को विधानसभा 209 बिल्हौर के सेक्टर संख्या (10) रौगांव की समीक्षा बैठक ग्राम रौगांव में ही आहूत की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आगरा जनपद से पधारे मुख्य मण्डल प्रभारी कानपुर माननीय श्री विक्रम सिंह जाटव जी मौजूद रहे, उन्होंने संविधान निमार्ता परमपूज्य बोधिसात्व बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर व बसपा संस्थापक मान्यवर श्री कांशीराम साहब के जीवन संघर्ष और त्याग पर गहन प्रकाश डालते हुए आदरणीय बहन कुमारी मायावती द्वारा अपने बीएसपी शासनकाल में कराये गये विकास कार्यों को बखूबी कार्यकताओं को बताने का काम किया जिसे कार्यकर्त्ता व समर्थक गंभीरता से सुनते रहे और मुख्य अतिथि के समक्ष पाँचवी बार आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी को यूपी का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प भी लिया। बैठक में मिशन

2027 को लेकर मुख्य अतिथि जी ने युवाओं में जोश भरने का काम किया तो वहीं युवा उत्सुकता से उनकी बात सुनते नजर आये, मुख्य अतिथि जी ने युवाओं के जिज्ञासा भरे सवालों का विश्लेषणात्मक जवाब भी दिये जिनसे युवा पूरी तरह से संतुष्ट नजर आये। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर कानपुर मण्डल प्रभारी श्री जीवनलाल भारती जी, कानपुर नगर जिलाध्यक्ष एडवोकेट कुलदीप कुमार गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष कानपुर नगर श्री सुशील कुमार गौतम, पूर्व कानपुर मण्डल प्रभारी श्री जेड्डू डीड्डू गौतम जी मौजूद रहे।

उक्त बैठक में विधानसभा से विधानसभा प्रभारी श्री राजेश कुमार कमल जी, विधानसभा प्रभारी श्री एडवोकेट विनय कुमार गौतम जी, विधानसभा अध्यक्ष श्री रमेश पाल जी, विधानसभा उपाध्यक्ष श्री प्रेमचंद्र बौद्ध जी, विधानसभा महासचिव श्री प्रमोद गौतम जी,विधानसभा सचिव श्री रामदास कठेरिया जी,विधानसभा कोषाध्यक्ष श्री शिवबाबू कमल जी, विधानसभा बीवीफ संयोजक श्री शिवम राव जी, सेक्टर अध्यक्ष रौगांव श्री रावेन्द्र गौतम, सेक्टर अध्यक्ष नानामऊ श्री बीनू गौतम, सेक्टर अध्यक्ष बरण्डा श्री रावेन्द्र राव जी, वरिष्ठ कार्यकर्त्ता रहे श्री दर्शन लाल कठेरिया जी, श्री रामप्रकाश गौतम जी, जनाब रईस अहमद जी,श्री रामसेवक जी, वहीं युवाओं में श्री अलोक गौतम जी, एडवोकेट अभिषेक जाटव जी, एडवोकेट कौशलेन्द्र गौतम जी, दीपक गौतम जी, नितीश कुमार जी, अरुण कुमार जी, फैजान अली जी, पप्पू अहमद जी के साथ ही बड़ी संख्या में महिला पुरुष मतदाता समर्थक मौजूद रहे, वहीं स्थानीय मीडिया साथियों में जनाब रेहान अली जी, व जुबैर खान जी भी मौजूद रहे।

बैठक में उपस्थित सभी सम्मानित साथियों का बहुजन समाज पार्टी विधानसभा यूनिट 209 बिल्हौर कानपुर नगर तहेदिल से साधुवाद व आभार प्रकट करती है।

सरदार पटेल जयंती कार्यक्रम को लेकर तेज हुई तैयारियां, अनिल कटियार ने कई प्रमुख लोगों से की मुलाकात

(जीएनएस)।

कानपुर नगर

30 अक्टूबर को शारदानगर स्थित सरदार पटेल स्कूल में होगा कार्यक्रम, पूर्व सांसद राजाराम पाल सहित कई प्रमुख हस्तियों को दिया आमंत्रण

कानपुर नगर। सरदार पटेल जयंती के अवसर पर 30 अक्टूबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपेक्षित वर्ग महासंघ ने संपर्क अभियान तेज कर दिया है। गुरुवार, 22 अक्टूबर को महासंघ के कानपुर मंडल प्रभारी शीतला चरण वर्मा के साथ समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं उपेक्षित वर्ग महासंघ के संयोजक अनिल कटियार ने विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात कर कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

यह कार्यक्रम 30 अक्टूबर को शारदानगर स्थित सरदार पटेल स्कूल में आयोजित किया जाएगा। संपर्क अभियान के दौरान टी-स्टॉल पर रविन्द्र सचान, विनोद चक, रामनाथ सरोज, डॉ. विनोद भूषण और विनोद पाल से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में आने का आग्रह किया गया। इसके बाद हैलट से फार्मासिस्ट पद से सेवानिवृत्त डॉ. शिवानंद से उनके आवास पर मुलाकात की गई।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि एवं पूर्व सांसद तथा पाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजाराम पाल के आवास पर पहुंचकर उन्हें भी आमंत्रित किया गया। वहीं, अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश कटियार से शिष्टाचार भेंट कर कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वीकार करने का आग्रह किया गया। सर्वेश कटियार ने कार्यक्रम में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सामाजिक एकजुटता और राजनीतिक संवाद पर जोर

अनिल कटियार ने बताया कि शीतला चरण वर्मा, प्रदेश सचिव एवं कानपुर मंडल प्रभारी उपेक्षित वर्ग महासंघ, संपर्क अभियान में उनके साथ रहे और सभी लोगों से कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

अनिल कटियार ने कहा कि उपेक्षित वर्ग महासंघ ने भाजपा को हटाने के उद्देश्य से समाजवादी पार्टी को बिना शर्त समर्थन दिया है। उन्होंने सामाजिक कार्यकताओं और समाजवादी पार्टी के बीच संवाद का अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्यक्रम के आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल जयंती का यह आयोजन सामाजिक एकजुटता, आपसी संवाद और पिछड़े एवं उपेक्षित वर्गों के मुद्दों पर विचार-विमर्श का अवसर बनेगा। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहभागिता की अपील की है।

एमएलसी चुनाव आज, 45,213 मतदाता करेंगे प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला

सीतापुर में 21 मतदान केंद्रों पर सुबह 8 से शाम 4 बजे तक वोटिंग,वेबकास्टिंग से होगी निगरानी

सीतापुर। लखनऊ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। जिले में 45,213 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुरुवार को शहर के आरएमपी डिग्री कॉलेज से पोलिंग पार्टियों को मतदान सामग्री के साथ निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान डीएम डॉ. राजा गणपति आर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

21 केंद्रों पर होगी वोटिंग, वेबकास्टिंग से निगरानी

सीतापुर। जिले के 19 ब्लॉकों में कुल 21 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर 72 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। मतदान प्रक्रिया

पर नजर रखने के लिए सभी केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। इसके जरिए अधिकारी मतदान की गतिविधियों की निगरानी करेंगे। प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, ताकि मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ किसी भी समस्या से तत्काल निपटा जा सके।

40,600 स्नातक और 4,613 शिक्षक मतदाता

सीतापुर। एमएलसी चुनाव में जिले के कुल 45,213 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 40,600 स्नातक और 4,613 शिक्षक मतदाता शामिल हैं। प्रशासन ने चुनाव ड्यूटी में लगाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय पर जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए हैं।

निष्पक्ष मतदान कराने पर जोर

सीतापुर। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने बताया कि सभी पोलिंग पार्टियों को आवश्यक मतदान सामग्री उपलब्ध कराकर रवाना किया गया है। मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग समेत सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य मतदान को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है।

एमएलसी चुनाव से पहले डीएम का औचक निरीक्षण, सुरक्षा से लेकर पेयजल तक परखी व्यवस्था

मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराने के निर्देश

(जीएनएस)।

सीतापुर। लखनऊ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर ने नगर के दो मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर तैयारियों की हकीकत परखी। उन्होंने म्यूनिसिपल इंटर कॉलेज और पीएम राजकीय इंटर कॉलेज पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था, मतदान कार्मिकों की तैनाती और पोलिंग पार्टियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया कि दोनों मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं और निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके लिए शुद्ध पेयजल सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें।

मोबाइल पर प्रतिबंध के पालन पर जोर

सीतापुर। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मतदान केंद्रों के भीतर मोबाइल फोन और अन्य प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रवेश एवं उपयोग पर रोक संबंधी निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने को कहा।

उन्होंने निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुरूप व्यवस्थाएं संचालित करने और सुरक्षा प्रबंधों की लगातार निगरानी के निर्देश भी दिए। डीएम ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

इनसेट

स्नातक एमएलसी चुनावः मतदाताओं को कल सवेतन अवकाश, छुट्टी नहीं देने पर होगी कार्रवाई

सीतापुर। लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान के लिए 23 अक्टूबर को सवेतन अवकाश मिलेगा। मंडलायुक्त एवं रिटर्निंग ऑफिसर विजय विश्वास पंत ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक निजी और अर्धशासकीय क्षेत्र में कार्यरत वैध मतदाताओं को मतदान के लिए बिना वेतन कटौती के अवकाश दिया जाएगा। मंडलायुक्त ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए इसका अनुपालन सुनिश्चित कराएं। यदि कोई नियोक्ता या नियोजक वैध मतदाताओं को मतदान के लिए अवकाश देने से इनकार करता है, तो संबंधित विभाग के माध्यम से उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। निर्देश का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नौकरीपेशा मतदाता वेतन कटने या अवकाश की अन्य कटौती की चिंता किए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। यह आदेश लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, हरदोई, लखीमपुर-खीरी, बाराबंकी और

मरीजों का इलाज छोड़ वोट की अपील! महोली सीएचसी के सरकारी डॉक्टर की रील से गरमाई सियासत

सरकारी कुर्सी पर डॉक्टर, सोशल मीडिया पर भाजपा प्रत्याशी का प्रचार! डॉ. दीपक तिवारी की भूमिका पर उठे तीखे सवाल, अब प्रशासन की परीक्षा

(जीएनएस)।

सीतापुर। सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की पहचान उसके इलाज से होनी चाहिए, किसी राजनीतिक दल के प्रचार से नहीं। लेकिन महोली सीएचसी में तैनात डॉ. दीपक तिवारी की सोशल मीडिया पर सामने आई एक रील ने इसी मयार्दा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि डॉक्टर लखनऊ खंड स्नातक एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी इंजीनियर अवनीश सिंह के पक्ष में वोट देने की अपील कर रहे हैं। रील सामने आने के बाद सवाल उठ रहा है कि सरकारी सेवा कीजिम्मेदारी निभाने वाला चिकित्सक चुनावी प्रचार में किस सीमा तक जा सकता है?

वर्दी नहीं, सफेद कोट की मयार्दा का सवाल

सरकारी डॉक्टर को जनता के टैक्स से वेतन मिलता है, ताकि अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को इलाज मिल सके। ऐसे में किसी खास

प्रत्याशी के पक्ष में सार्वजनिक अपील करने का मामला सामान्य नहीं माना जा सकता। सरकारी सेवकों पर लागू आचरण नियमों और निर्वाचन संबंधी निर्देशों के तहत इसकी जांच जरूरी है। आखिर डॉक्टर की प्राथमिक जिम्मेदारी मरीजों की सेवा है या किसी प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाना?

मरीजों से अपील के आरोप भी गंभीर

आरोप यह भी है कि अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों से एक खास प्रत्याशी को वोट देने की अपील की गई। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। यदि जांच में ऐसा सामने आता है, तो मामला और गंभीर हो सकता है।

अब स्वास्थ्य विभाग से जवाब का इंतजार

क्या मुख्य चिकित्सा अधिकारी इस रील का संज्ञान लेंगे? क्या जिला प्रशासन और निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर के आचरण की जांच कराएंगे? और क्या सरकारी सेवा की मयार्दा के उल्लंघन की पुष्टि होने पर कार्रवाई होगी? फिलहाल डॉक्टर का पक्ष और प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि जिम्मेदार अधिकारी वायरल रील को महज सोशल मीडिया की हलचल मानते हैं या तथ्यों की जांच कर उचित कदम उठाते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुखरंजन समद्दर ने बताया कि सर्विस में रहकर उनको ऐसा नहीं करना चाहिए। वह आरबीएसके से जुड़े नियम-कानून देखकर कार्रवाई करेंगे।

सिधौली से टिकैत की हुंकारः गन्ने का भाव 500 पार करो, वरना लखनऊ में होगा आंदोलन!

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को रद्द करने की मांग, धान की खरीद से लेकर कर्जमाफी तक किसानों ने उठाए सवाल,एडीएम को सौंपा मांगपत्र

सिधौली/सीतापुर। गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक करो, धान की खरीद में किसानों का शोषण बंद करो और खाद की किल्लत से राहत दो। किसानों की इन मांगों को लेकर गुरुवार को सिधौली में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) की हुंकार महापंचायत में किसान नेता चैधरी राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को रद्द करने की मांग उठाते हुए चेतावनी दी कि किसानों के हितों की अनदेखी का खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ सकता है। महापंचायत में किसानों की समस्याओं पर आवाज बुलंद हुई और मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अंजुम खालिद को सौंपा गया। हाईवे स्थित फार्म हाउस पर आयोजित महापंचायत में टिकैत ने कहा कि धान की खरीद

कम कीमत पर होने से किसानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। उपज का उचित मूल्य नहीं मिला तो किसानों की मुश्किलें और बढ़ेंगी। उन्होंने जगजीत सिंह डल्लेवाल के किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि वह किसानों के मुद्दों को लेकर तीन बार जंतर-मंतर जा चुके हैं। टिकैत ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़ी मांगों का समर्थन किया और चुनाव में वोट चोरी के आरोप भी लगाए।

खाद से कर्जमाफी तक, सात मांगों पर जोर

सिधौली। महापंचायत में खाद की ऑनलाइन बुकिंग की परेशानी दूर करने, खतौनी में अंश निर्धारण की त्रुटियां सुधारने, फार्मर रजिस्ट्री और किसान क्रेडिट कार्ड में नाम-आधार के अंतर को ठीक करने, धान क्रय केंद्रों पर सुचारु तौल, प्राकृतिक आपदा से बर्बाद फसलों का मुआवजा और कृषि ऋण माफी की मांग उठाई गई। किसानों ने गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक करने पर भी जोर दिया।

अब लखनऊ में आंदोलन की तैयारी

सिधौली। टिकैत ने सिधौली के बाद लखनऊ में महापंचायत और गन्ना संस्थान में धरना देने की घोषणा की।महापंचायत में जिलाध्यक्ष मयंक सिंह चैहान, पंकज वर्मा, अनिकेत सिंह, कमलेश बाजपेई, अरुण शुक्ला, उमेश पांडेय समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। सुरक्षा के मद्देनजर एसडीएम अवनीश कुमार, सीओ वेद प्रकाश श्रीवास्तव और इंस्पेक्टर विजयेन्द्र सिंह पुलिस बल के साथ तैनात रहे।